Literacy for a Billion

Movie: Ganga Jamuna
Year: 1961

Song: Insaaf ki dagar pe
Lyricist: Shakeel Badayuni

इन्साफ़ की ड़गर पे
बच्चों दिखाओ चल के
ये देश है तुम्हारा
नेता तुम्हीं हो कल के
इन्साफ़ की ड़गर पे
बच्चों दिखाओ चल के
ये देश है तुम्हारा
नेता तुम्हीं हो कल के

दुनिया के रंज सहना
और कुछ ना मुँह से कहना
दुनिया के रंज सहना
और कुछ ना मुँह से कहना
सच्चाइयों के बल पे
आगे को बढ़ते रहना
सच्चाइयों के बल पे
आगे को बढ़ते रहना
रख दोगे एक दिन
तुम संसार को बदल कर
रख दोगे एक दिन
तुम संसार को बदल कर
इन्साफ़ की ड़गर पे
बच्चों दिखाओ चल के
ये देश है तुम्हारा
नेता तुम्हीं हो कल के

अपने हो या पराये
सबके लिए हो न्याय
अपने हो या पराये
सबके लिए हो न्याय
देखो कदम तुम्हारा
हरगिज़ ना डगमगाए
देखो कदम तुम्हारा
हरगिज़ ना डगमगाये
रस्ते बड़े कठिन है
चलना सँभल सँभल के
रस्ते बड़े कठिन है
चलना सँभल सँभल के
इन्साफ़ की ड़गर पे
बच्चों दिखाओ चल के
ये देश है तुम्हारा
नेता तुम्हीं हो कल के
आ...
आ...
आ...
इंसानियत के सर पे
इज्ज़त का ताज रखना
इंसानियत के सर पे
इज्ज़त का ताज रखना
तन मन की भेंट देकर
भारत की लाज रखना
तन मन की भेंट देकर
भारत की लाज रखना
जीवन नया मिलेगा
अंतिम चिता में जल के
जीवन नया मिलेगा

अंतिम चिता में जल के
इन्साफ़ की ड़गर पे
बच्चों दिखाओ चल के
ये देश है तुम्हारा
नेता तुम्हीं हो कल के
इन्साफ़ की ड़गर पे

बच्चों दिखाओ चल के
ये देश है तुम्हारा
नेता तुम्हीं हो कल के

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*